GK Tricks by Jitendra

राजस्थान

GK Tricks

भूलना भूल जाओगे

You Will Forget To Forget

RAS
REET, PATWARI,
एवं **RPSC** की
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं
के लिए अत्यन्त उपयोगी

प्रथम भाग

''ज्ञानं शरणं गच्छामि''

''यू खिलेगा ज्ञान पुष्प, कि ज्ञान सुगंध फैलेगी चहुँ ओर
यू चमकेगा ज्ञानपुंज, कि ज्ञान किरण बिखरेगी चहुँ ओर
यू तृप्त होगी ज्ञान सुधा, कि ज्ञानोदय होगा चहुँ ओर।''

''जितेन्द्र कुमार''

राजस्थान के युवां पाठकों

प्रतियोगिता के दौर में विद्यार्थियो को मंजिल की मंशा, आत्मा की अभिलाषा ने मुझे प्रेरित किया की **राजस्थान G.K. Tricks (भूलना भूल जाओगे)** का प्रथम संस्करण प्रस्तुत करूँ, जो विद्यार्थियो को नई तकनीक तथा सफलता के सूत्र दे सके।

प्रस्तुत पुस्तक सामान्य से सामान्य व विशिष्ट छात्रों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। छात्र सामान्य ज्ञान से सम्बंधित तथ्यों को याद तो कर लेते है। लेकिन कुछ समय पश्चात भूल जाते है। प्रस्तुत पुस्तक में सामान्य ज्ञान को याद करने की विधियों या यू कहें सूत्रो (ट्रिक) के जरिये हम इससे सामान्य ज्ञान को अल्प समय में कंठष्ठ याद कर सकते है। छात्रो की इन समस्याओं को ध्यान में रखकर इसे तैयार किया है ताकि तथ्यों को शीघ्रता से याद कर सके और सफलता अर्जित कर सकें।

प्रथम संस्करण की सफलता के लिए मै सभी पाठकगण का आभारी हूँ।

"जितेन्द्र कुमार"

राजस्थान सामान्य ज्ञान सूत्र

G.K. Tricks

भूलना भूल जाओगे

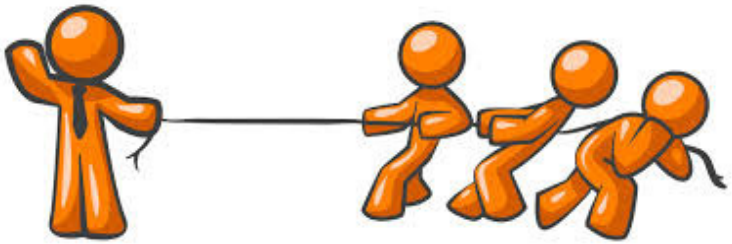

''जितेन्द्र कुमार''

राजस्थान – एक परिचय

राजस्थान हमारे देश का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है, जो हमारे देश के उत्तर–पश्चिम में स्थित है। यह भू–भाग प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक कई मानव सभ्यताओ के विकास एवं पतन की स्थली रहा है। यहॉ पूरा–पाषाण युग, कांस्य युगीन सिंधु सभ्यता की प्राचीन बस्तियॉ, वैदिक सभ्यता एवं ताम्रयुगीन सभ्यताएँ खूब फली फूली थी। छठी शताब्दी के बाद राजस्थानी भू–भाग मे राजपुत राज्यो का उदय प्रारम्भ हुआ। जो धीरे धीरे सम्पूर्ण क्षेत्र में अलग–अलग रियासतो के रूप मे विस्तृत हो गयी। ये रियासते राजपूत राजाओ के अधीन थी। राजपूत राजाओ की प्रधानता के कारण कालांतर मे इस सम्पूर्ण क्षेत्र को **''राजपूताना''** कहा जाने लगा। वाल्मीकि ने राजस्थान प्रदेश को **''मरूकांतार''** कहा है।

राजस्थान शब्द का प्राचीनतम प्रयोग **''राजस्थानीयादित्य''** वी.स. 682 मे उत्कीर्ण वसंतगढ़ (सिरोही) के शिलालेख में उपलब्ध हुआ है। उसके बाद मुहणौत नैन्सी के ख्यात व रजरूपक मे राजस्थान शब्द का प्रयोग हुआ है। परंतु इस भू–भाग के लिए राजपूताना शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम 1800 ई. मे जॉर्ज थॉमस द्वारा

किया गया था। कर्नल जेम्स टॉड (पश्चिमी एवं मध्य भारत के राजपूत राज्यो के पॉलिटिकल एजेंट) ने इस राज्य को **''रायथान''** कहा, क्योंकि स्थानीय साहित्य एवं बोलचाल मे राजाओ के निवास को रायथान कहते थे। उन्होने 1829 ई. मे लिखित अपनी प्रसिद्ध ऐतिहासिक पुस्तक **''Annals & Antiquities of Rajas'than'' or Central and Western Rajpoot States of India** में सर्वप्रथम इस भौगोलिक प्रदेश के लिए **''Rajas,than''** शब्द प्रयुक्त किया। स्वन्त्रता के पश्चात 26 जनवरी 1950 को औपचारिक रूप से इस प्रदेश का नाम **''राजस्थान''** स्वीकार किया गया।

स्वतन्त्रता के समय राजस्थान 19 देसी रियासतो, 3 ठिकाने–कुशनगढ़, लावा व नीमराना तथा चीफ कमिश्नर द्वारा प्रशाषित अजमेर–मेरवाड़ा प्रदेश में विभक्त था। स्वतंत्रता के बाद अजमेर–मेरवाड़ा के प्रथम एवं एकमात्र मुख्यमंत्री श्री हरिभाऊ उपाध्याय थे। राजस्थान अपने वर्तमान स्वरूप में 1 नवम्बर, 1956 को आया। इससे पूर्व राजस्थान निर्माण निम्न चरणों से गुजरा –

''जितेन्द्र कुमार''

राजस्थान निर्माण के चरण

चरण	नाम	तिथि	शामिल होने वाली रियासते
1. प्रथम चरण	मतस्य संघ	18 मार्च, 1948	अलवर, भरतपुर, धौलपुर करौली रियासत व नीमराना ठिकाना
2. द्वित्तीय चरण	पूर्व राजस्थान संघ	25 मार्च, 1948	बॉसवाड़ा, बूंदी, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, टोंक, किशनगढ़ तथा शाहपुरा रियासतें व कुशलगढ़ ठिकाना। **प्रदेश के नाम में 'राजस्थान' शब्द पहली बार जुड़ा।**
3. तृत्तीय चरण	संयुक्त राजस्थान	18 अप्रेल, 1948	राजस्थान संघ मे उदयपुर रियासत मिली।
4. चतुर्थ चरण	वृहत्त राजस्थान	30 मार्च, 1949	संयुक्त राजस्थान+जयपुर, जोधपुर व जैसलमेर। राजस्थान का गठन इसी तिथि को माना जाता हे। यह दिन प्रतिवर्ष **राजस्थान दिवस** के रूप मे मनाया जाता है। 7 अप्रेल 1949 को राजस्थान के प्रथम प्रधानमंत्री(बाद मे मुख्यमंत्री) **श्री हिरालाल शास्त्री** बने।
5. पंचम चरण	संयुक्त वृहत्तर राजस्थान	15 मई, 1949	वृहत्त राजस्थान व मतस्य संघ का विलय हुआ।
6. छठा चरण	राजस्थान (संघ)	26 जनवरी, 1950	संयुक्त वृहत्तर राजस्थान मे सिरोही (आबू व दिलवाड़ा तहसील को छोड़कर) रियासत का विलय हुआ। 26 जनवरी, 1950 को देश का संविधान लागू होने पर इस राज्य को विधिवत रूप से राजस्थान नाम दिया गया।
7. सप्तम चरण	(वर्तमान स्वरूप में) राजस्थान		1 नवंबर,1956 राजस्थान संघ+अजमेर–मेरवाड़ा+आबू, दिलवाड़ा तहसील व मध्य प्रदेश का सुनेल टप्पा। राज्य के सिर्रोज क्षेत्र को मध्य प्रदेश मे मिलाया गया।

''जितेन्द्र कुमार''

राजस्थान एक नजर

राजस्थान का स्थापना दिवस	30 मार्च
राजधानी	जयपुर
राज्यपाल	श्री कल्याण सिंह
विधानमंडल	एक सदनात्मक
विधानसभा सदस्य	200
राजस्थान से लोकसभा सदस्य	25
राजस्थान से राज्यसभा सदस्य	10
राजस्थान उच्च न्यायालय	जोधपुर (खंड़पीठ – जयपुर)
राज्य लोक सेवा आयोग	अजमेर
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड	अजमेर
राज्य का प्रथम आकाशवाणी केंद्र	जयपुर (1955)
राज्य का प्रथम दूरदर्शन प्रसारण केंद्र	जयपुर (5 मार्च, 1977)
राजस्थान की प्रथम राजस्थानी फिल्म	नजराना
राज्य की राज्यभाषा	हिन्दी
राजकीय पशु	ऊँट, चिंकारा
राजकीय वृक्ष	खेजड़ी
राजकीय खेल	बास्केटबाल
राज्य नृत्य	घूमर
राज्य गीत	'केसरिया बालम पधारो म्हारे देश'
राजस्थान की थर्मोपोली	हल्दीघाटी

राजस्थान का खजुराहो	किराडू
राजस्थान का वेल्लौर	भैंसरोड़गढ़ दुर्ग
राजस्थान का कश्मीर या पूर्व का वेनिस	उदयपुर
राजस्थान का गौरव	चित्तोड़गढ़
पहाड़ो की नगरी	डूंगरपुर
ब्लू सिटी/सूर्य नगरी	जोधपुर
वस्त्र नगरी	भीलवाड़ा
राजस्थान का नालंदा/शिक्षा नगरी	कोटा
जलमहलों की नगरी	भरतपुर
झीलों की नगरी	उदयपुर
राजस्थान का हृदय	अजमेर
राजस्थान का प्रवेश द्वार	भरतपुर
राजस्थान का सिंहद्वार	अलवर
राजस्थान का पहला शिल्प ग्राम	हवाला गॉव (उदयपुर)
राजस्थान का प्रथम स्टॉक एक्स्चेंज	जयपुर
राजस्थान का पहला रास्ट्रीय उद्यान	रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान (सवाई माधोपुर)
राजस्थान में अभ्यारण्य	25

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में नवगठित 33 वें जिले प्रतापगढ़ का गठन निम्न जिलों को मिलाकर किया गया था।**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

''बॉस चढ़ा डूंगर पर''

आपको इतना याद रखना है। मानलिजिए प्रतापगढ़ का गठन करने के लिए बॉस डूंगर पर चढ़ गये थे वे जिद पर अडे थे फिर प्रतापगढ़ का गठन निम्न जिलो को मिलाकर किया गया।

सूत्र		**जिला**
बॉस	–	बांसवाडा
चढ़ा	–	चित्तौडगढ़
डूंगरपर	–	डूंगरपुर

नोट :– यह प्रश्न राजस्थान पुलिस कोन्स्टेबल परीक्षा 2014 में आया था।

❖ **पंजाब की सीमा से सटे राजस्थान राज्य के जिले है।**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

''श्री हनुमान''

सूत्र		**जिला**
श्री	–	श्रीगंगानगर
हनुमान	–	हनुमानगढ

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **मालाणी नस्ल के घोडे जिन जिलों में पाये जाते है उन जिलो के नाम निम्न है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''मालाणी **बाड जो जा**''

सूत्र		**जिला**
बाड	–	बाडमेर
जो	–	जोधपुर
जा	–	जालौर

❖ **राजस्थान की सीमा से लगने वाले हरियाणा के जिले है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''हिम फसि भि गुड़ रेवड़ी''

सूत्र		**जिला**
हि	–	हिसार
म	–	महेन्द्रगढ़
फ	–	फतेहाबाद
सि	–	सिरसा
भि	–	भिवानी
गुड़	–	गुड़गॉव
रेवड़ी	–	रेवड़ी

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान की सर्वोच्च चोटी/पर्वत/शिखरो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''गुरू से जरा अच्छा रघु दात तेरा''

सूत्र		**सर्वोच्च शिखर**
गुरू	–	गुरूशिखर(सिरोही)
से	–	सेर(सिरोही)
जरा	–	जरगा(उदयपुर)
अ	–	अचलगढ़(सिरोही)
रघु	–	रघुनाथगढ़(सीकर)
दा	–	दरीबा(अलवर)
ता	–	तारागढ़ गढ़बीढली(अजमेर)
तेरा	–	तारागढ़ का किला(बूंदी)

- गुरूशिखर चोटी सिरोही जिले में है जो कि राजस्थान की सबसे ऊॅची चोटी है। यह माउण्ट आबू में स्थित है। इसकी ऊॅचाई 1722 मी0 है। कर्नल जेम्स टॉड ने इसे सन्तो का शिखर कहा है।
- सेर ये सिरोही जिले में है यह राज0 की दूसरी सबसे ऊॅची चोटी है इसकी ऊॅचाई 1597 मी0 है।
- जरगा पर्वत उदयपुर में है। इसकी ऊॅचाई 1431 मी0 है।
- अचलगढ सिरोही जिले में है।
- रघुनाथगढ (सीकर) उत्तरी अरावली क्षेत्र की सबसे ऊॅची चोटी है। इसकी ऊॅचाई 1055 मी0 है।
- दरीबा अलवर में है।
- तारागढ गढ़बीढ़ली अजमेर में है।
- तारागढ़ का किला बूॅदी में है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **भेड़ की प्रमुख नस्लों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''भेड़ का **नाम मामा चोक में पूजे**''

सूत्र		**भेड़ की नस्लें**
ना	–	नाली
म	–	मगरा
मा	–	मारवाड़ी
मा	–	मालपुरी
चोक	–	चौकला
पू	–	पूगल
जे	–	जैसलमैरी

- पशुपालन में राजस्थान का दुसरा स्थान है। प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश का है।
- राजस्थान में सर्वाधिक भेड़ बाड़मेर में पायी जाती है।
- राजस्थान में न्यूनतम भेड़ धोलपुर में पायी जाती है।
- एशिया में सबसे बडी ऊन मण्डी बीकानेर में है।
- राजस्थान में भेड व ऊन विकास निगम की स्थापना 1978 में हुई
- राजस्थान में केन्द्रीय भेड़ व ऊन अनुसंधान संस्थान की स्थापना 1962 में अविकानगर (टोंक) में की गई है।

- सर्वश्रेष्ठ किस्म की ऊन देने वाली भेड़ **चोकला** है। चोकल भेड़ कि नस्ल को **''भारत का मेरिनो''** कहा जाता है।
- राजस्थान में भेड़ की जैसलमेरी नस्ल से सर्वाधिक ऊन प्राप्त हौती है।
- मगरा नस्ल की भेड़ से सर्वाधिक लंबे रेशे की ऊन प्राप्त होती है।
- राजस्थान में सर्वाधिक मारवाड़ी नस्ल की भेडो की संख्या है।
- भेड़ की द्विप्रयोजनीय नस्लें सोनाड़ी–मालपुरा है।
- सर्वाधिक दुध देने वाली भेड़ सोनाड़ी है।
- दक्षिण राजस्थान में पाई जाने वाली भेड़ की प्रमुख नस्ल सोनाड़ी है।
- अच्छी किस्म की मेरिनो ऊन के लिए प्रसिद्ध भेड़ चौकला है।
- उत्तरी राजस्थान में पायी जाने वाली प्रमुख भेड़ नाली है।
- क्रोस ब्रीडिग के माध्यम से विकसित भेड़ नस्लें चौकला–सोनाड़ी–मालपुरा है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **गाय की प्रमुख नस्लों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''गाय **का माथा हरि नाग सा**''

सूत्र		**गाय की नस्लें**
का	–	काकरेज
मा	–	मालवी
था	–	थारपारकर
हरि	–	हरियाणवी
नाग	–	नागौरी
सा	–	साचौरी

- गाय की थारपारकर नस्ल जो द्विप्रयोजनार्थ (दूध एवं बैल दोनों हेतु) प्रसिद्ध है।
- सबसे ज्यादा गाय उदयपुर जिले में पायी जाती है।
- सबसे कम गाय धौलपुर जिले में पायी जाती है।
- राजस्थान में थारपारकर नस्ल के लिए सूरतगढ़(गंगानगर) में केन्द्रीय पशु – प्रजनन केन्द्र स्थापित किया गया है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **भैंस की प्रमुख नस्लों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''मुमु भसू जमजा नाग''

सूत्र		**भैंस की नस्लें**
मु	–	मुर्रा
मु	–	मुरादाबादी
भ	–	भदावरी
सू	–	सूरती
ज	–	जमना
म	–	महेसाना
जा	–	जाफरावादी
नाग	–	नागपुरी

- भैंस की सबसे श्रेष्ठ नस्ल मुर्रा है।
- दक्षिण राजस्थान में पायी जाने वाली भैंस की एक प्रमुख नस्ल जाफरावादी है।
- सर्वाधिक दूध देने वाली भैंस की नस्ल मुर्रा है।
- राजस्थान में मुख्य रूप से भैंस की मुर्रा – महेसाना – जाफरावादी – सूरती नस्लें पाई जाती है।
- मुर्रा नस्ल की भैंस राजस्थान के जयपुर, अलवर, भरतपुर (पूर्वी राज0) जिलों में पाई जाती है।
- सिरोही व जालौर जिलों में पाई जाने वाली भैंस महेसाना नस्ल है।
- गुजरात के समीपवर्ती क्षेत्र (दक्षिण राज0) में पाई जाने वाली भैंस की नस्लें जाफरावादी व सूरती है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **ऊँट की प्रमुख नस्लों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**जैसल** का ऊँट **बीका नाच गोमठ** में''

सूत्र		**ऊंट की नस्लो के नाम**
जैसल	–	जैसलमेरी
बीका	–	बीकानेरी
नाच	–	नाचणा
गोमठ	–	गोमठ

- मतवाली चाल के लिए जैसलमेरी ऊंट प्रसिद्ध है।
- भारत के 50 प्रतिशत ऊंट बीकानेरी नस्ल के है।
- ऊंटों में होने वाला प्रमुख रोग सर्रा है।
- ऊँट को राज्य पशु हाल ही में घोषित किया गया है।
- राजस्थान में भारत का 70 प्रतिशत ऊँट पाया जाता है।
- जैसलमैर का नाचणा ऊँट सबसे अच्छा माना जाता है।
- फलौदी (जोधपुर) के निकट गोमठ ऊँट सवारी की दृष्टि से सबसे अच्छा माना जाता है।
- केन्द्रीय ऊँट अनुसंधान संस्थान जोहडबीड़ (बीकानेर) में स्थित है।
- बीकानेर में ऊँट की खाल पर मीनाकारी की जाती है जिसे उस्ता कला कहते है। यह शैली के अन्तर्गत आती है। हिसामुद्दीन उस्ता कला के प्रमुख कलाकार माने जाते है।
- ऊँटो में सर्रा रोग पाया जाता है।
- सबसे ज्यादा ऊँट बाडमेर में पाये जाते है।
- सबसे कम ऊँट झालावाड में पाये जाते है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **घोडे की प्रमुख नस्लों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''मामा काटिया''

सूत्र		**घोडे की नस्लो के नाम**
मा	–	मारवाड़ी
मा	–	मालाणी
काटिया	–	काटियावाड़ी

- अश्व अनुसंधान केन्द्र जोहडबीड़ (बीकानेर) में है।
- मालाणी घोडे बाड़मेर, जोधपुर व जालोर में पाये जाते है। जो समस्त भारत में प्रसिद्ध है।
- राजस्थान में सबसे ज्यादा घोडे बाडमेर में पाये जाते है।
- राजस्थान में सबसे कम घोडे बीकानेर में पाये जाते है।

अन्य जानकारी (भूलना भूल जाओगे)

- बाड़मेर का मालानी क्षेत्र घोड़ा पशु की उपलब्धि के आधार पर अपनी विशिष्ट पहचान रखता हे।
- बाड़मेर जिले की सिवाना तहसी मालानी नस्ल के घोड़ो के लिए प्रसिद्ध है।
- घोड़ों की सर्वाधिक संख्या वाले दो जिले बाड़मेर और जालौर है।

''जितेन्द्र कुमार''

- कुक्कुट (मुर्गी) पालन की दृष्टि से अग्रणी जिला अजमेर है।
- मुर्गीपालन प्रशिक्षण संस्थान अजमेर में है।
- राजस्थान का राज्य पशु चिंकारा (चैसिंगा हिरण) राजस्थान के दक्षिण भाग में सर्वाधिक पाया जाता है।
- बकरे व नागौरी बैलों के लिए नागौर जिले की परबतसर तहसील का बाजवास गांव प्रसिद्ध है।
- राजस्थान का सबसे बड़ा ऊन उत्पादक जिला जोधपुर है।
- पशुधन की दृष्टि से राजस्थान का देश में दूसरा स्थान है।
- सर्वाधिक पशु संख्या वाला जिला बाड़मेर है।
- सर्वाधिक पशु घनत्व वाला जिला डूंगरपुर है।
- पिछली पशु गणना – 2007 में हुई थी
- दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान के दो प्रमुख जिले जयपुर और गंगानगर है।
- राजस्थान में बकरी सर्वाधिक संख्या में पाया जाने वाला पशु है।
- देश के कुल पशुधन का 11.2 प्रतिशत राजस्थान में है।
- पश्चिमी राजस्थान में भेड़ पशु पर आर्थिक निर्भरता सर्वाधिक है।
- राजस्थान की अर्थव्यवस्था में लगभग 5 प्रतिशत पशुधन का योगदान है
- राजस्थान के मरूस्थली क्षेत्रों में लोगों की आजीविका का मुख्य स्त्रोत/साधन पशुपालन है।
- केन्द्रीय पशु प्रजनन केन्द्र सूरतगढ़ में है।
- केन्द्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान सूरतगढ़ में है।

"जितेन्द्र कुमार"

- राजस्थान का एकमात्र पशु विज्ञान एवं चिकित्सा महाविद्यालय बीकानेर में है।
- राजस्थान का एकमात्र दुग्ध विज्ञान एवं टेक्नोलोजी महाविद्यालय उदयपुर में है।
- केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड जौधपुर में है।
- केंद्रीय ऊन विश्लेषण प्रयोगशाला बीकानेर में है।
- शीप एंड वूल ट्रेनिंग संस्थान जयपुर में है।
- एशिया की सबसे बड़ी ऊन मंड़ी बीकानेर में है।
- राजस्थान देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 9–10 प्रतिशत भाग उत्पादित कर तीसरे स्थान पर है।
- ऊन उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का सबसे अग्रणी जिला जोधपुर है।
- राजस्थान में ऊंटों की संख्या में पाये जाने वाले चार पशु (क्रमशः) बकरी–गाय–भैंस–भेड़ है।
- समस्त राजस्थान की 65 प्रतिशत से अधिक भेंड़े व 80 प्रतिशत ऊंट उत्तरी व पश्चिमी राजस्थान में पाये जाते है।
- ऊंट का पशु की दृष्टि से राजस्थान का देश में एकाधिकार है।
- गाय–भैंस–भेड़–बकरी की सर्वाधिक दूध देने वाली नस्लें राठी–मुर्रा–सोनाड़ी–जखराना है।
- पशु नस्ल के आधार पर राजस्थान को दस भागों में बांटा जा सकता है।
- राजस्थान संपूर्ण देश की लगभग 40 प्रतिशत ऊन उत्पादित कर प्रथम स्थान पर है।

"जितेन्द्र कुमार"

❖ **उदयपुर संभाग में आने वाले जिलों के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''उदय राज का **बॉस चढ़ा डूंगर पर ''**

सूत्र		**उदयपुर के संभाग**
उदय	–	उदयपुर
राज	–	राजसमंद
बॉस	–	बॉसवाडा
चढ़ा	–	चित्तोड़गढ़
डूंगर	–	डूंगरपुर
पर	–	प्रतापगढ़

- उदयपुर सर्वाधिक अनुसूचित जतजाति वाला संभाग है।
- उदयपुर सर्वाधिक लिंगानुपात वाला संभाग है।
- उदयपुर सर्वाधिक वनाच्छित वाला संभाग है।

❖ **राजस्थान के संभागो के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''आज जोज, उदय और बीका को भरतपुर ले गया संभाग घुमाने''

सूत्र		**राजस्थान के संभाग**
आज	–	अजमेर
जो	–	जोधपुर
ज	–	जयपुर
उदय	–	उदयपुर
बीका	–	बीकानेर
को	–	कोटा
भरतपुर	–	भरतपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **कोटा संभाग में जिलो के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''बाबू को झूला दे''

सूत्र		**कोटा के संभाग**
बा	–	बारा
बू	–	बूँदी
को	–	कोटा
झूला	–	झालावाड़

- कोटा सर्वाधिक नदियों वाला संभाग है।
- कोटा न्यूनतम जनसंख्या वाला संभाग है।
- कोटा सबसे अधिक अभ्यारण्य वाला संभाग है।

❖ **अजमेर संभाग में जिलो के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''आजा ना भील टोंक''

सूत्र		**अजमेर के संभाग**
आजा	–	अजमेर
ना	–	नागौर
भील	–	भीलवाडा
टोंक	–	टोंक

- अजमेर सबसे मध्यवती वाला संभाग है।
- अजमेर संभाग में सबसे पहले 1857 की क्रांति राजस्थान में आयी थी।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **जोधपुर संभाग में जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जोधा जैसी बडी पाल जला''

सूत्र		**जोधपुर के संभाग**
जोधा	–	जोधपुर
जै	–	जैसलमैर
सी	–	सिरोही
बडी	–	बाडमेर
पाल	–	पाली
जला	–	जालौर

- जोधपुर क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बडा संभाग है।
- जोधपुर संभाग में सबसे अधिक जिले है।
- जौधपुर न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला संभाग है।
- जोधपुर संभाग सर्वाधिक दशकीय वृद्धि वाला संभाग है।

❖ **मत्सय संघ के अन्तर्गत आने वाले जिले है। (18 मार्च 1948)**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''ABCD''

सूत्र		**मत्सय संघ**
A	–	अलवर
B	–	भरतपुर
C	–	करौली
D	–	धौलपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **बीकानेर संभाग में जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बीका गंगा चुहा है''

सूत्र		**बीकानेर के संभाग**
बीका	–	बीकानेर
गंगा	–	गंगानगर
चुहा	–	चूरू
हे	–	हनुमानगढ़

- बीकानेर सर्वाधिक अनुसुचित – जनजाति वाला संभाग है।
- बीकानेर न्यूनतम नदियों वाला संभाग है।

❖ **जयपुर संभाग में जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जय झुनझुन दास आलसी है''

सूत्र		**जयपुर के संभाग**
जय	–	जयपुर
झुनझुन	–	झुंझुनु
दास	–	दौसा
आल	–	अलवर
सी	–	सीकर

- जयपुर सर्वाधिक जनसंख्या वाला संभाग है।
- जयपुर सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाला संभाग है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **रागडी भाषा जिन भाषाओं के मिश्रण से बनी है उन भाषाओं के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''रागडी के **मामा**''

सूत्र		**भाषा**
मा	–	मारवाडी
मा	–	मालवी

वन्य जीवों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दू :–

- सन् 1972 में वन्य जीवों के संरक्षण के लिए अधिनियम बनाया गया, जिसकें अन्तर्गत राजस्थान में 33 आखेट निषिद्ध क्षेत्र घोषित किए गए।
- सन् 2004 में अन्य जीवों की सुरक्षा के लिए नेचर गाई पॉलिसी बनाई गई, जिसे 2006 मे जारी किया गया था।
- राजस्थान में पहला वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1950 मे बनाया गया।
- वर्तमान में 1972 का अधिनियम लागू है।
- उत्तर भारत का पहला सर्प उद्यान कोटा में स्थापित है।
- राजस्थान में लुप्त होने वाले जीवों में पहला स्थान गोड़ावन का, डॉल्फिन मछली का, बाघों का है।
- सर्वाधिक कृष्ण मृग डोलीधोवा (जोधपुर व बाड़मेर) में पाये जाते है।
- बाघ परियोजना कैलाश सांखला ने बनाई थी।
- राजस्थान में जोधपुर पहली रियासत थी जिसने वन्य जीवों को बचाने के लिए कानून बनाया।
- पहला टाईगर सफारी पार्क रणथम्भौर अभ्यारण्य में स्थापित किया गया था।
- हाल ही मे ऊंट को राज्य पशु घोषित किया गया है।

❖ **बागडी भाषा जिन जिलो में बोली जाती है उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बागडी के बॉस डूंगर पर''

सूत्र		**बागडी भाषा वाले जिले**
बॉस	–	बॉसवाडा
डूंगर	–	डूंगरपूर

❖ **हाडोती भाषा जिन जिलो में बोली जाती है उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''हाडोती में **बाबू को झूला** दे''

सूत्र		**हाडोती भाषा वाले जिले**
बा	–	बारा
बू	–	बूँदी
को	–	कोटा
झूला	–	झालावाड

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **मेवाती भाषा जिन जिलो में बोली जाती है उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**आ भरत धोलपुर** मेवाती भाषा सिखने''

सूत्र		**मेवाती भाषा वाले जिले**
आ	–	अलवर
भरत	–	भरतपुर
धोलपुर	–	धोलपुर

❖ **गोड़वाड़ी भाषा जिन जिलो में बोली जाती है उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''गोड़वाड़ी भाषा **सिर** का **जाल**''

सूत्र		**गोड़वाडी भाषा वाले जिले**
सिर	–	सिरोही
जाल	–	जालौर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **थार मरूस्थल मुख्यतः जिन राज्यों में फेला है उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''राजा पंगु है''

सूत्र		**राज्य**
राजा	–	राजस्थान
प	–	पंजाब
गु	–	गुजरात
है	–	हरियाणा

❖ **चम्बल राष्ट्रीय अभ्यारण जिन राज्यों के कारण संयुक्त रूप से संचालित है उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''चम्बल के **मध्य उत्तरा राज**''

सूत्र		**राज्य**
मध्य	–	मध्य प्रदेश
उत्तरा	–	उत्तर प्रदेश
राज	–	राजस्थान

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **मिट्टी के किलें जिन जिलों में है उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**भर** मिट्टी **चित्तोड़गढ़** में''

सूत्र		**जिला**
भर	–	भरतपुर
चित्तोड़गढ़	–	चित्तोड़गढ़

❖ **10 अप्रैल 1991 को बने जिलों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**दौबारा राजा** बना ''

सूत्र		**जिला**
दौ	–	दौसा
बारा	–	बारा
राजा	–	राजसमन्द

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक शहरी व न्यूनतम शहरी जनसंख्या वाले जिलें है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जय प्रताप''

सूत्र		**जिला**
जय	–	जयपुर
प्रताप	–	प्रतापगढ़

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक शहरी व न्यूनतम शहरी जनसंख्या वृद्धी वाले जिलें है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''दोस्त डूंगरू''

सूत्र		**जिला**
दोस्त	–	दौसा
डूंगरू	–	डूँगरपुर

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक ग्रामीण व न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वाले जिलें है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''J.J.''

सूत्र		**जिला**
जय	–	जयपुर
J	–	जैसलमैर

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक ग्रामीण व न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वृद्धी वाले जिलें है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''J.K.''

सूत्र		**जिला**
J	–	जयपुर
K	–	कोटा

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **भरतपुर में प्रमुख बांध व झीले है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बांधो आज मोती को ''

सूत्र		**बॉध व झीले**
बांधो	–	बंध बारैठ बॉध
आज	–	अजान बॉध
मोती	–	मोती झील

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक पुरूष साक्षरता वाले जिलों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''झुंझुनु के जेसी भारती ''

सूत्र		**जिला**
झुंझुनु	–	झुंझुनु
के	–	कोटा
जे	–	जयपुर
सी	–	सीकर
भारती	–	भरतपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में न्यूनतम पुरूष साक्षरता वाले जिलों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''प्रबा सिर जला बाडे में ''

सूत्र		**जिला**
प्र	–	प्रतापगढ़
बा	–	बॉसवाडा
सिर	–	सिरौही
जला	–	जालौर
बाडे में	–	बाडमेंर

❖ **हरियाणा की सीमा से लगने वाले राजस्थान के जिले है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जय भरत असी झुंझुन्ने चुरा हनु से''

सूत्र		**जिला**
जय	–	जयपुर
भरत	–	भरतपुर
अ	–	अलवर
सी	–	सीकर
झुंझुन्ने	–	झुंझुनू
चुरा	–	चुरू
हनु	–	हनुमान

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **कान में निम्न आभूषण पहने जाते है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''K4 बालूंदा O2 पीपल T3''

सूत्र		**आभूषण**
K	–	कर्णफूल
K	–	कुंतल
K	–	कुड़क
K	–	कुंडल
बा	–	बाली
लू	–	लूंग
दा	–	दामना
O	–	ओगन्या
O	–	आगोत्या
पीपल	–	पीपलपत्र
T	–	टॉप्स
T	–	टिमणिया
T	–	टोंटी

''जितेन्द्र कुमार''

❖ राजस्थान की सीमा से लगने वाले गुजरात के जिले है।
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''सादा पॅचक बना''

सूत्र		**जिला**
सा	–	साबर कॉठा
दा	–	दाहोद
पॅच	–	पॅचमहल
क	–	कच्छ
बना	–	बनास कॉठा

❖ गुजरात की सीमा से लगने वाले राजस्थान के जिले है।
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''उदय डुंगर पर बॉसि बाड़ जला''

सूत्र		**जिला**
उदय	–	उदयपुर
डूॅगर पर	–	डूंगरपुर
बॉ	–	बॉसवाड़ा
सि	–	सिरोही
बाड़	–	बाड़मेर
जला	–	जालौर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **धोलपुर जिले के साथ जिन जिलों की सीमा लगती है वह है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''धूल में **भारती काली**''

सूत्र		**जिला**
भारती	–	भरतपुर
काली	–	काली

❖ **भरतपुर जिले में बहने वाली नदियां है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**रूपा** का **बाग**''

सूत्र		**नदियां**
रूपा	–	रूपाहेल
बा	–	बाणगंगा
ग	–	गम्भीर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक विधान सभा सीटो वाले जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जय आजन (19111010)''

सूत्र		**जिला**
जय	–	जयपुर**(19)**
आ	–	अलवर**(11)**
ज	–	जोधपुर**(10)**
न	–	नागौर**(10)**

❖ **राजस्थान में न्यूनतम विधान सभा सीटो वाले जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''प्रताप जेसा (2+2)''

सूत्र		**जिला**
प्रताप	–	प्रतापगढ़**(2)**
जेसा	–	जैसलमैर**(2)**

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 5 जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''डूंगर राज का **पाली पर बॉस''**

सूत्र		**जिला**
डूंगर	–	डूंगरपुर**(994)**
राज	–	राजसमन्द**(990)**
पाली	–	पाली**(987)**
पर	–	प्रतापगढ़**(983)**
बॉस	–	बॉसवाडा**(980)**

❖ **राजस्थान में न्यूनतम लिंगानुपात वाले जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''धोलू जेसा करों भरत गंगा''

सूत्र		**जिला**
धोलू	–	धोलपुर
जेसा	–	जैसलमैर
करो	–	करोली
भरत	–	भरतपुर
गंगा	–	गंगानगर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक शहरी साक्षरता व न्यूनतम शहरी वाले जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''उदय जला''

सूत्र		**जिला**
उदय	–	उदयपुर(सर्वाधिक)
जला	–	जालौर(न्यूनतम)

❖ **हवामहल की पॉच मंजिलों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''शरत्न विसूप्र हवा''

सूत्र		**मंजिलों के नाम**
श	–	शरद मंदिर
रत्न	–	रत्न मंदिर
वि	–	विचित्र मंदिर
सूप्र	–	सूर्य मंदिर या प्रकाश मंदिर
हवा	–	हवा मंदिर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता व न्यूनतम ग्रामीण वाले जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''झासि''

सूत्र		**जिला**
झा	–	झुंझुनूं
सि	–	सिरोही

❖ **राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जय भर दो आलू धो कर''

सूत्र		**जिला**
जय	–	जयपुर
भर	–	भरतपुर
दो	–	दौसा
आलू	–	अलवर
धो	–	धोलपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **बकरी की प्रमुख नस्लों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''शेमाज अबझ सिलो''

सूत्र		**बकरी की नस्लें**
शे	–	शेखावटी
मा	–	मारवाड़ी
ज	–	जमनापुरी
अ	–	अलवरी
ब	–	बड़वारी
झ	–	झरवाड़ी
सि	–	सिरोही
लो	–	लोही

- राजस्थान में बकरी की वह नस्ल जो सर्वाधिक दूध देती है एवं बहरोड़ (अलवर) में पायी जाती है जखराना (अलवरी)
- बकरी की शेखावाटी नस्ल का विकास काजरी के वैज्ञानिकों ने किया।
- नागौर जिले का बकरू (वरूण) स्थान जहां की बकरियां प्रसिद्ध है
- राजस्थान में बकरी की जखराना (अलवरी) नस्ल जो सर्वाधिक दूध देती है एवं बहरोड़ (अलवर) में पायी जाती है।
- बकरी की सर्वाधिक सुंदर नस्ल बारबरी है।
- शेखावाटी नस्ल की बकरी के सींग नही होते है।

''जितेन्द्र कुमार''

- राजस्थान में बकरी की सर्वश्रेष्ठ नस्ल एवं सर्वाधिक दूध देने वाली नस्ल जखराना है।
- बकरी की सर्वाधिक सुंदरता नस्ल वाली बारबरी पूर्वी राजस्थान क्षेत्र में पाई जाती है।
- राजस्थान में संपूर्ण भारत की लगभग 28 प्रतिशत बकरियां पाई जाती है।
- मांस उत्पादन के लिए बकरी की लोही नस्ल विशेष रूप से जानी जाती है।
- दूध उत्पादन के लिए बकरी की झखराना नस्ल प्रसिद्ध है।
- बकरी की परबतसर नस्ल हरियाणा की बीटल व राजस्थान की सिरोही नस्ल का मिश्रण है।
- बरबरी नस्ल की बकरी पूर्वी राजस्थान में पायी जाती है।
- भैड़ एवं बकरी दोनों में ही राजस्थान देश में दूसरा स्थान रखता है।
- मंस उत्पादन के लिए बकरी की दो सर्वाधिक प्रसिद्ध नस्लें लोही और मारवाड़ी है।

"जितेन्द्र कुमार"

❖ **राजस्थान में न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले जिलो के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जैसल B.B.C.''

सूत्र		**जिला**
जेसल	–	जैसलमेर
B	–	बीकानेर
B	–	बाड़मेर
C	–	चूरू

❖ **पाकिस्तान की सीमा से सटे भारत के राज्य है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''राज जा गुजरात और पंजाब''

सूत्र		**राज्य**
राज	–	राजस्थान
जा	–	जम्मू कश्मीर
गुजरात	–	गुजरात
पंजाब	–	पंजाब

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **भारत के उन राज्यों के नाम जिनसे कर्क रेखा गुजरती है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''छत्तीस मित्र झाग पे मरे''

सूत्र		**राज्य**
छत्तीस	–	छत्तीसगढ़
मि	–	मिजोरम
त्र	–	त्रिपुरा
झा	–	झारखण्ड
ग	–	गुजरात
पे	–	पश्चिम बंगाल
म	–	मध्यप्रदेश
रे	–	राजस्थान

❖ **माही परियोजना जिन राज्यों की संयुक्त परियोजना है उन राज्यों के नाम :–**

जितेन्द्र सुत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''माही राज गुर्जर''

सुत्र		**राज्य**
राज	–	राजस्थान
गुर्जर	–	गुजरात

नोट :– ध्यान रहें इस परियोजना में राजस्थान का 45 प्रतिशत तथा गुजरात का 55 प्रतिशत हिस्सा है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **भारत के जिन राज्यों में विधान परिषद है उन राज्यों के नाम है।**

जितेन्द्र ट्रिक **(भूलना भूल जाओगे)**

''**उमा के बहु आजा** विधान परिषद''

सुत्र		**राज्य**
उ	–	उत्तरप्रदेश
मा	–	महाराष्ट्र
के	–	कर्नाटक
बहु	–	बिहार
आ	–	आन्ध्रप्रदेश
जा	–	जम्मू–कश्मीर

नोट :– युवा पाठको ध्यान रहे विधान परिषद 6 ही राज्यों में थी लेकिन वर्तमान में राजस्थान में भी प्रस्तावित कर दी गई है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **व्यास परियोजना मुख्यतः जिन राज्यों की संयुक्त परियोजना है उन राज्यों के नाम :–**

जितेन्द्र सुत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''व्यास काकी का **हरि राज हिम पर**''

सुत्र		**राज्य**
हरि	–	हरियाणा
राज	–	राजस्थान
हिम	–	हिमाचल प्रदेश
पर	–	पंजाब

❖ **चम्बल नदी की सहायक नदियों के नाम :–**

जितेन्द्र सुत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**बना काली बाम मे कल पर्व** चम्बल पर''

सुत्र		**नदियां**
बना	–	बनास
काली	–	काली सिन्ध
बाम	–	बामनी
मे	–	मेज
कल	–	कुराल
पर्व	–	पार्वती

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान की मीठे पानी की झीलो के नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जयराज, अना, नडीसि कोका फतेह कर''

सूत्र		**झीलें**
जय	–	जयसमन्द झील
राज	–	राजसमन्द झील
अना	–	अनासागर झील
न	–	नक्की झील
डी	–	डीडवाना झील
सि	–	सिलिसेढ़ झील
को	–	कोलायत झील
का	–	कायलाना झील
फतेह	–	फतेहसागर झील

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले 5 राज्य (बढ़ते क्रम में)**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''**हरि** का **पंजा जम्मू–राज** से **गुजरा**''

सूत्र		**राज्य**
हरि	–	हरियाणा
पंजा	–	पंजाब
जम्मू	–	जम्मू–कश्मीर
राज	–	राजस्थान
गुजरा	–	गुजरात

❖ **राजस्थान के सर्वाधिक जनसंख्या वाले 5 जिले है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''**जय** की **JANU**''

सूत्र		**जिला**
जय	–	जयपुर
J	–	जोधपुर
A	–	अलवर
N	–	नागौर
U	–	उदयपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के सर्वाधिक जनसंख्या वाले 5 जिले है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''जेसल प्रताप सर का **राज** हे **बूँदी** पर''

सूत्र		**जिला**
जैसल	–	जैसलमेर
प्रताप	–	प्रतापगढ़
सर	–	सिरोही
राज	–	राजसमन्द
बूँदी	–	बूँदी

❖ **राजस्थान के साथ जिन राज्यो की सीमा लगती है उन राज्यों के नाम :–**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''पं. हरि उत्तर में गुम गयों''

सूत्र		**राज्य**
पं	–	पंजाब
हरि	–	हरियाणा
उत्तर	–	उत्तर प्रदेश
मे	–	मध्य प्रदेश
गु	–	गुजरात

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान की प्रसिद्ध मांड गायिकाएँ**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**M.B.A.** करने **गयी गवरी**''

सूत्र		**मांड गायिकाएँ**
M	–	मांगी बाई
B	–	बन्नो बेगम
A	–	अल्ला जिला बाई
गयी	–	गवरी बाई
गवरी	–	गवरी देवी

नोट :– मांगी बाई ने ही राजस्थान का राज्य गीत ''**केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश.....**'' पहली बार गाया था।

❖ **नर्मदा परियोजना जिन राज्यो की संयुक्त परियोजना है उन राज्यो के नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**राज उत्तर मत दे**''

सूत्र		**राज्य**
राज	–	राजस्थान
उत्तर	–	उत्तर प्रदेश
मत	–	मध्य प्रदेश

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **पंजाब के साथ जिन जिलों की सीमा लगती है उन जिलों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''श्री हनुमान''

सूत्र		**जिला**
श्री	–	श्री गंगानगर
हनुमान	–	हनुमानगढ़

❖ **उत्तर प्रदेश के साथ जिन जिलों की सीमा लगती है उन जिलों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''BD''

सूत्र		**जिला**
B	–	भरतपुर
D	–	धौलपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के वे जिले जो अन्तर्राष्ट्रीय और अन्तर्राज्यीय सीमा नही बनाते है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''अपना राज जो हे B.T.D.''

सूत्र		**जिला**
अ	–	अजमेर
प	–	पाली
ना	–	नागौर
राज	–	राजसमन्द
जो	–	जोधपुर
B	–	बूँदी
T	–	टोंक
D	–	दौसा

❖ **1857 की क्रांति की मुख्य छावनियों के नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''ए ब्यान खैर नी देव''

सूत्र		**छावनियों के नाम**
ए	–	एरिनपुरा(पाली)
ब्या	–	ब्यावर(अजमैर)
न	–	नसीराबाद(अजमेर)
खैर	–	खैरवाडा(उदयपुर)
नी	–	नीमच(मध्य प्रदेश)
देव	–	देवली(टोंक)

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान की सर्वोच्च चोटी/पर्वत/शिखरों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''गुरू से जरा अच्छा रघु दात तेरा''

सूत्र		**सर्वोच्च शिखर**
गुरू	–	गुरूशिखर(सिरोही)
से	–	सेर(सिरोही)
जरा	–	जरगा(उदयपुर)
अ	–	अचलगढ़(सिरोही)
रघु	–	रघुनाथगढ़(सीकर)
दा	–	दरीबा(अलवर)
ता	–	तारागढ़ गढ़बीढली(अजमेर)
तेरा	–	तारागढ़ का किला(बूंदी)

❖ **पाली जिले के साथ जिन की सीमा लगती है**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जोरा उसी बडे जाले से आना''

सूत्र		**सर्वोच्च शिखर**
जो	–	जोधपुर
रा	–	राजसमन्द
उ	–	उदयपुर
सी	–	सिरोही
बड़े	–	बाड़मेर
जाले	–	जालौर
आ	–	अजमेर
ना	–	नागौर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **हरियाणा के साथ जिन जिलों की सीमा लगती है उन जिलों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**जय भर आलू हसी चूरू** की **झोली** में''

सूत्र		**जिला**
जय	–	जोधपुर
भर	–	भरतपुर
आलू	–	अलवर
ह	–	हनुमानगढ़
सी	–	सीकर
चूरू	–	चूरू
झोली	–	झुझुनूं

❖ **भरतपुर जिले के साथ जिन दो राज्यों की सीमा लगती है उन राज्यों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**हरि** भरत का **उत्तर** दे''

सूत्र		**राज्य**
हरि	–	हरियाणा
उत्तर	–	उत्तर प्रदेश

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **धौलपुर जिले के साथ जिन दो राज्यों की सीमा लगती है उन राज्यों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''मध्य उत्तर''

सूत्र		**राज्य**
मध्य	–	मध्य प्रदेश
उत्तर	–	उत्तर प्रदेश

❖ **बॉसवाड़ा जिले के साथ जिन दो राज्यों की सीमा लगती है उन राज्यों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''मंगु बॉस''

सूत्र		**राज्य**
म	–	मध्य प्रदेश
गु	–	गुजरात

❖ **श्री गंगानगर जिला अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय सीमा बनाता है उन के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''PAPA''

सूत्र		**राज्य व देश**
पा	–	पाकिस्तान
प	–	पंजाब

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **हनुमानगढ़ जिलें के साथ जिन दो राज्यों की सीमा लगती है उन के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''हनुमानगढ़ में **हरि** का **पंजा**''

सूत्र		**राज्य**
हरि	–	हरयाणा
पंजा	–	पंजाब

❖ **बाड़मेंर जिला अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय सीमा बनाता है उन के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**GP**''

सूत्र		**राज्य व देश**
G	–	गुजरात
P	–	पाकिस्तान

''जितेन्द्र कुमार''

❖ विभिन्न नदियों के तट पर बसे हुये राजस्थान के नगर

स्थान	नदी
कोटा	चम्बल
झालावाड	कालीसिंध
सुमेरपुर(पाली)	ज्वाई
चित्तौडगढ़	बेडच
आसीद(भीलवाडा)	खारी
बालोतरा(बाडमेर)	लूनी

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

सूत्र	नदी	स्थान
चमको	चम्बल	कोटा
काला झूला	कालीसिंध	झालावाड
जवां सुमेरपाल	जवाई	सुमेरपुर(पाली)
बडा है चित्ता	बेडच	चित्तौडगढ़
खां आ भील	खारी	आसीद(भीलवाडा)
बाल है लंबे	लूनी	बालोतरा(बाडमेर)

''जितेन्द्र कुमार''

भारत और पाकिस्तान से सम्बन्धित ऐसे तथ्य याद करना इतना आसान जी हां भूलना भूल जाओगे

❖ **भारत और पाकिस्तान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्यों को एक कहानी के रूप में कंठष्ठ कराया जा रहा है।**

जितेन्द्र सुत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

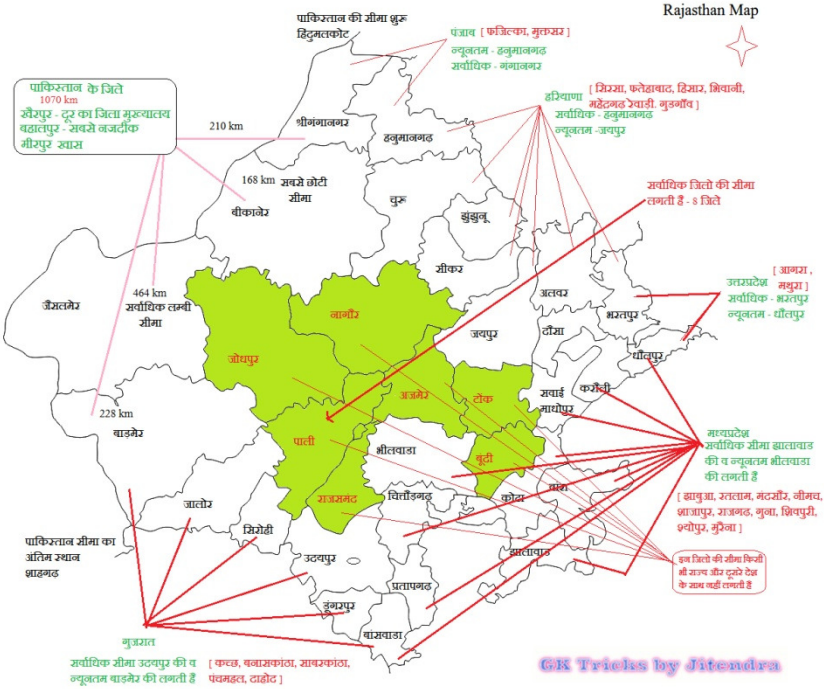

भारत के युवा साथियों आप इस लाजवाब ट्रिक को पढ़कर जानेंगे। याद करने की इस जबरदस्त ट्रिक को फिर कभी भूलेंगे नही। में तो बल्कि ये कहुंगा भूलना भूल जाओगे। अब इस सुत्र को पढ़ते है।

मानलिजिए पाकिस्तान से शोहब मलिक(क्रिकेट खिलाडी) भारत की सानिया मिर्जा(टेनिस खिलाडी) से शादी करने भारत आयें। **"जितेन्द्र कुमार"**

पाकिस्तान से शोहब मलिक की बारात **दिनांक .... ट्रेन से खोखराबाद(पाक.) से मुनाबाव(भारत)** आयी। बारात मे शोहब मलिक के खास दोस्त तीन अलग–अलग गावों से आये। **1.बहावलपुर, 2.खेरपुर और 3.मिरपुरखास** से आये।

भारत में भी सानिया मिर्जा की शादी में उसकी खास दोस्त आई जो **S.B.B.J.** बेंक में नोकरी करती है।

सभी ने शादी में बहुत Enjoy किया अब कन्यादान की रश्म अदा करने के लिए सानियां मिर्जा की मॉ को बुलाया कन्यादान करने के लिए सानियां मिर्जा की मॉ ने कन्यादान में **1070** रूपयें दिये। सभी लोगो ने दुल्हा दुल्हन को गिफ्ट दिये। पास ही खडी सानियां मिर्जा की बहन सोचने लगी सब दीदी को कुछ ना कुछ दे रहे है।

तो मे दीदी को क्या दु जो उन्है पसन्द आये अचानक उसे याद आया अरें दीदी को **रेड क्लीप** बहुत पसन्द है में अपना रेड क्लीप दीदी को दे देती हूँ और उसने दीदी को दे दिया। सानियां मिर्जा को भी रेड क्लीप बहुत पसन्द आया। फिर सानिया मिर्जा को **मुनाबाव स्टेशन(भारत) से खोखराबाद(पाक)** के लिए विदा कर दिया

अब निचे दिये गये तथ्यों को पढ़ने पर आप खुद सोचेंगे आपने कितने महत्वपूर्ण प्रश्नों को इतनी आसानी से कंठष्ठ कर लिया। अब आप भी कह बिना नही रह पायेंगे **भूलना भूल जाओगे...** **''जितेन्द्र कुमार''**

- पाकिस्तान के तीन जिलो की सीमा अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के साथ लगती है जिनके नाम **1.बहावलपुर, 2.खेरपुर और 3.मिरपुरखास है।**
- राजस्थान के चार जिलो की सीमा पाकिस्तान के साथ लगती है जिनके नाम (ट्रिक) S.B.B.J. 1. श्री **गंगानगर, 2. बीकानेर, 3. बाडमेर और 4. जैसलमेर है।**
- भारत और पाकिस्तान अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की लम्बाई **1070 कि.मी.** है।
- भारत और पाकिस्तान अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का नाम रेड क्लिफ रेखा है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **पाकिस्तान की सीमा पर स्थित राजस्थान के चार जिले है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

आपने SBBJ (State Bank of Bikaner & Jaipur) का नाम तो सुना ही होगा यह एक बेंक का नाम है हम याद कर रहे है पाकिस्तान की सीमा वाले जिले वह है।

S - Shree Ganganagar
B - Bikaner
B - Barmer
J - Jaisalmer

- बाड़मेर जिले की पाकिस्तान सीमा के साथ 228 कि.मी. लम्बाई है।
- अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की 1070 कि.मी. लम्बाई है।
- भारत और पाकिस्तान के अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का नाम रेडक्लिफ रेखा है।
- राजस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का प्रारम्भ हिन्दुमल कोंट(श्रीगंगानगर) में तथा सीमा समाप्त शाहगढ़ गॉव (बाड़मेर) में है।
- अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के सबसे नजदीक श्रीगंगानगर जिला है।
- अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के सबसे दूर बीकानेर जिला है।
- पाकिस्तान के तीन जिलों की सीमा अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के साथ लगती है।

  1. श्री गंगानगर, 2. जैसलमैर, 3. बाड़मैर और 4 मीरपुरखास ।

"जितेन्द्र कुमार"

❖ **सरदार – सरोवर परियोजना मुख्यतः जिन राज्यों की संयुक्त परियोजना हे उन राज्यों के नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''राजस्थान में गुर्जर महान''

सूत्र		**राज्य**
राजस्थान	–	असम
मे	–	मध्य प्रदेश
गुर्जर	–	गुजरात
महान	–	महाराष्ट्र

❖ **भाखडा – नांगल परियोजना मुख्यतः जिन राज्यों की संयुक्त परियोजना है उन राज्यों के नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''हरि राज का पंजा''

सूत्र		**राज्य**
हरि	–	हरियाणा
राज	–	राजस्थान
पंजा	–	पंजाब

''जितेन्द्र कुमार''

आपको शिक्षको से मदद मिल सकती है लेकिन
आपको बहुत कुछ अपने आप ही सीखना होगा,
किसी कमरें में अकेले बैठकर।

जितेन्द्र कुमार

Cont. No. +918769712538

भारत का सामान्य ज्ञान

भारत के युवां पाठको इसी तरह भारत का सामान्य ज्ञान याद करने की तरकीब सूत्र (ट्रिक) के लिए बुक खरीदे भारत का सामान्य ज्ञान याद करने में प्रस्तुत पुस्तक सभी परीक्षाओं की तेयारी में बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। छात्र सामान्य ज्ञान से सम्बंधित तथ्यों को याद तो कर लेते है। लेकिन कुछ समय पश्चात भूल जाते है। प्रस्तुत पुस्तक में सामान्य ज्ञान को याद करने की विधियों या यू कहें सूत्रो (ट्रिक) के जरिये हम इससे सामान्य ज्ञान को अल्प समय में कंठष्ठ याद कर सकते है। मात्र 1 घंटे में 500 से अधिक प्रश्न सरलता से याद कर सकते है।

प्रथम संस्करण की सफलता के लिए मै सभी पाठकगण का आभारी हूँ।

सम्पूर्ण पुस्तक खरीदने के लिए नीचे दिये गये लिंक को सर्च करें।

http://pothi.com/pothi/book/ebook-jitendra-kumar-g-k-trick

या

Google पर Search करें Jitendra GK Tricks

❖ **भारतीय संविधान की शक्तियॉ निम्न है।**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

"अन्याय पुनः उप महा लोकतंत्र"

सूत्र		संविधान की शक्तियॉ
अ	–	अधिकार (मौलिक अधिकार)
न्याय	–	न्यायपालिका
पुनः	–	पुनरोवलोकन की प्रक्रिया
उप	–	उपराष्ट्रपति की संवैधानिक स्थित
महा	–	महाभियोग प्रक्रिया
लोकतंत्र	–	लोकतांत्रिक व्यवस्था

❖ **मणिपुर की सीमा जिन राज्यो से लगती है उन राज्यो के नामः–**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

"MAN"

सूत्र		राज्य
M	–	मिजोरम
A	–	असम
N	–	नागालैण्ड

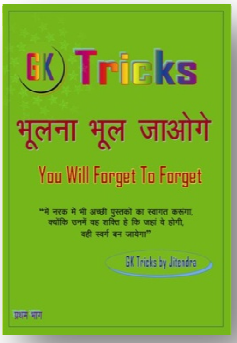

प्रथम संस्करण की सफलता के लिए मै सभी पाठकगण का आभारी हूँ।

जितेन्द्र कुमार

❖ **दिल्ली पर किन–किन की बादशाहत रही**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

"GK Trick ko SaLaM"

आप इस ट्रिक के जरिये भारत की राजधानी दिल्ली पर किन–किन का साम्राज्य रहा दिल्ली पर हुकुमत करने वाले शासको को हम बहुत ही अल्प समय में व बडी सरलता से सिखेंगे।

मेरा विश्वास है कि आप इस सुत्र को एक ही प्रयास में कंठष्ठ याद कर लेंगे

ट्रिक याद करने के लिए आपको केपिटल वर्ड याद रखना है।

सूत्र	शासक	कब से कब तक
G	Gulam	1206-1290
K	Khilji	1290-1320
T	Tuglak	1320-1414
S	Sayyed	1414-1450
L	Lodhi	1450-1526
M	Mugal	1526-1857

❖ **भारतीय संविधान के स्त्रोत जो कि निम्न है।**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

"ई विकास रा मन्त्र है"

सूत्र		संविधान के स्त्रोत
ई	–	इकहरी नागरिकता
वि	–	विधि की कानून प्रकिया
का	–	कानूनी प्रकिया
स	–	संसदीय प्रणाली
रा	–	राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थित
मन्त्र	–	मन्त्रीमण्डल की बैठक

सम्पूर्ण पुस्तक खरीदने के लिए नीचे दिये गये लिंक को सर्च करें।
http://pothi.com/pothi/book/ebook-jitendra-kumar-g-k-trick

❖ **अफगानिस्तान की सीमा से लगा भारत का एक मात्र राज्य (जम्मू–कश्मीर) है।**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

''अफगान में जम्मू अकेला''

सूत्र		राज्य
जम्मू	–	जम्मू–कश्मीर

❖ **1857 की क्रांति की मुख्य छावनियों के नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

''ए ब्यान खैर नी देव''

सूत्र		छावनियों के नाम
ए	–	एरिनपुरा(पाली)
ब्या	–	ब्यावर(अजमैर)
न	–	नसीराबाद(अजमेर)
खैर	–	खैरवाडा(उदयपुर)
नी	–	नीमच(मध्य प्रदेश)
देव	–	देवली(टोंक)

सम्पूर्ण पुस्तक खरीदने के लिए नीचे दिये गये लिंक को सर्च करें।
http://pothi.com/pothi/book/ebook-jitendra-kumar-g-k-trick

❖ **नर्मदा परियोजना जिन राज्यो की संयुक्त परियोजना है उन राज्यो के नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

''**राज** नर्मदा का **उत्तर मत** दे''

सूत्र		राज्य
राज	–	राजस्थान
उत्तर	–	उत्तर प्रदेश
मत	–	मध्य प्रदेश

सम्पूर्ण पुस्तक खरीदने के लिए नीचे दिये गये लिंक को सर्च करें।
http://pothi.com/pothi/book/ebook-jitendra-kumar-g-k-trick

हमारा लेखन ऐसा नही होना चाहिए
कि पाठक हमें समझ पाए,
बल्कि ऐसा होना चाहिए
कि वह किसी भी तरह
हमें गलत न समझ जाए।
जितेन्द्र कुमार

Cont. No. +918769712538

❖ **राजस्थान के दौसा जिले की मुख्य नदियां :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''दौसा मे **बाण मारे**''

सूत्र		**नदियॉ**
बाण	–	बाणगंगा
मारे	–	मोरेल

❖ **राजस्थान के राजसमंद जिले की मुख्य नदियां :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''राजसमन्द **चन्द्र खारा**''

सूत्र		**नदियॉ**
चन्द्र	–	चन्द्र भागा
खारा	–	खारी

❖ **राजस्थान के टोंक जिले की मुख्य नदियां :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''टोंक में **बाण्डी मांस बना**''

सूत्र		**नदियॉ**
बाण्डी	–	बाण्डी
मांस	–	मांसी
बना	–	बनास

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान भैसरोडगढ़ (चित्तोड़गढ़) निम्न नदियों के संगम पर बना है उनके नाम :–**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''भैस **चबा**''

सूत्र		**नदियॉ**
च	–	चम्बल
बा	–	बामनी

- चित्तोड़गढ़ के उत्तर में भैसरोड़गढ़ नामक स्थान पर बामनी नदी बाई और से चम्बल नदी में गिरती है।
- इस स्थान पर चूलिया जलप्रपात स्थित है, जिसकी ऊॅचाई लगभग 18 मीटर है।

❖ **राजस्थान के धौलपुर जिले में बहने वाली नदियों के नाम**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बाण चला गम्भीर''

सूत्र		**नदियॉ**
बाण	–	बाणगंगा
चला	–	चम्बल
गम्भीर	–	गम्भीरी

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के बाड़मेर जिले में बहने वाली नदियों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''सुलुनी''

सूत्र		**नदियॉ**
सु	–	सुकड़ी
लुनी	–	लुनी

❖ **राजस्थान के अजमेर जिले में बहने वाली नदियों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बना सरस्वती लुन खारा सड़ा''

सूत्र		**नदियॉ**
बना	–	बनास
सरस्वती	–	सरस्वती
लुन	–	लुनी
खारा	–	खारी
स	–	साबरमती
डा	–	डाई

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के डूँगरपुर जिले में बहने वाली नदियों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''डूंगर पर **सोनी** की **मा सो जा**''

सूत्र		**नदियॉ**
सोनी	–	सोनी
मा	–	माही
सो	–	सोम
जा	–	जाखम

❖ **राजस्थान में बारह मासी (12 महिने) बहने वाली नदियों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''C.M.''

सूत्र		**नदियॉ**
C	–	चम्बल
M	–	माही

❖ **राजस्थान में मेज नदी की सहायक नदियों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**मांग घोड़ा**''

सूत्र		**नदियॉ**
मांग	–	मॉगली
घोड़ा	–	घोड़ा पछाड़

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के करोली जिले में बहने वाली नदियों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''करोली की नदियों मे तेरते तेरते **मोच** लगी''

सूत्र		**नदियॉ**
मो	–	मोरेल
च	–	चम्बल

❖ **राजस्थान के बस्सी अभ्यारण (चित्तोड़गढ़) जिले में जिन नदियों के संगम पर बना उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बस्सी अभ्यारण देखने आये **ओबामा**''

सूत्र		**नदियॉ**
ओ	–	ओराई
बामा	–	बामनी

❖ **बनास नदी की मुख्य सहायक नदियों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बेडच खारी का मोर मांग''

सूत्र		**नदियॉ**
बेडच	–	बेडच
खारी	–	खारी
का	–	कोठारी
मोर	–	मोरल
मा	–	मान्सी
ग	–	गम्भीरी

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **बाणगंगा नदी की मुख्य सहायक नदियों के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''**सुर पल गुमटी** का बाण''

सूत्र		**नदियॉ**
सुर	–	सुरा
पल	–	पलोसन
गुमटी	–	गुमटीनाला

❖ **नीमाज नदी जिन दो जिलो में बहती हैं उनके नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''नीमाज **बार झाला**''

सूत्र		**जिला**
बार	–	बारा
झाला	–	झालावाड़

❖ **मेज नदी की मुख्य सहायक नदियों के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''**मंगल बजन कर**''

सूत्र		**नदियॉ**
मंगल	–	मॉगली
बजन	–	बाजन
कर	–	कुराल

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **सोम नदी की मुख्य सहायक नदियों के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''सोम **जागो**''

सूत्र		**नदियॉ**
जा	–	जाखम
गो	–	गोमती

❖ **देवधाम जोधपुरिया टोंक जिले मे जिन नदियों का त्रिवेणी संगम हे उन नदियों के नाम निम्न है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''**मॉ बा बना** देवधाम जोधपुरिया टोंक में''

सूत्र		**नदियॉ**
मा	–	मासी
बा	–	बांड़ी
बना	–	बनास

❖ **राजस्थान के जयपुर जिले में बहने वाली नदियों के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''**बाबा मोसा मैं**''

सूत्र		**नदियॉ**
बा	–	बाणगंगा
बा	–	बांडी
मो	–	मोरेल
सा	–	साबी
मैं	–	मैन्था

''जितेन्द्र कुमार''

राजस्थान की नदियॉ

1. **चम्बल नदी** – इस नदी का प्राचीन नाम चर्मावती है। कुछ स्थानों पर इसे कामधेनु भी कहा जाता है। यह नदी मध्य प्रदेश के मऊ के दक्षिण में मानपुर के समीप जनापाव पहाड़ी के विन्ध्याचल कगारों के उत्तरी पार्श्व से निकलती है। चम्बल नदी पर भैंसरोड़गढ़ के पास प्रख्यात चूलिया जल प्रपात है। यहा नदी राजस्थान के कोटा, बून्दी, सवाई माधोपुर व धोलपुर जिलों मे बहती हुई उत्तर – प्रदेश के इटावा जिले मुरादगंज स्थान में यमुना में मिल जाती है। इस नदी पर गांधी सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर और कोटा बैराज बांध बने है।
2. **काली सिंध** – यह चंबल की सहायक नदी है। इस नदी का उदगम् स्थल मध्य प्रदेश में देवास के निकट बागली गॉव है। कुछ दूर मध्य प्रदेश में बहने के बाद यह राजस्थान के झालावाड़ और कोटा जिलों में बहती है। आहू, उजाड, नीवाज परवन इसकी सहायक नदियां है।
3. **बनास नदी** – बनास एक मात्र ऐसी नदी है जो संपूर्ण चक्र राजस्थान में ही पूरा करती है। बनअआस अर्थात बनास अर्थात (वन की आशा) के रूप में जानी जाने वाली यह नदी उदयपुर जिले के अरावली पर्वत श्रेणियों में कुम्भलगढ़ के पास खमनौर की पहाड़ियों से निकलती है। यह नाथद्वारा, कंकरोली, राजसमन्द और भीलवाड़ा जिले में बहती हुई टोंक, सवाई माधोपुर के पश्चात रामेश्वरम के नजदीक (सवाई माधोपुर) चंबल

में गिर जाती है। इसकी सहायक नदियों बेडच, कोठरी, मांसी, खारी, मुरेल व धुन्ध है।

4. **बाणगंगा** – इस नदी का उदगम् स्थल जयपुर की वैराठ की पहाड़ियों से है।यह सवाई माधोपुर, भरतपुर में बहती हुई अंत में फतेहाबाद (आगरा) के समीप यमुना में मिल जाती है। इस नदी पर रामगढ़ के पास एक बांध बनाकर जयपुर को पेय जल की आपूर्ति की जाती है।
5. **पार्वती नदी** – यह चंबल की एक सहायक नदी है। इसका उदगम् स्थल मध्य प्रदेश के विंध्यचल श्रेणी के पर्वतों से है। तथा यहा उत्तरी ढाल से बहती है। यह नदी करया हट (कोटा) स्थान के समीप राजस्थान में प्रवेश करती है और बून्दी जिले में बहती हुई चंबल में गिर जाती है।
6. **गंभीरी नदी** – यह नदी सवाई माधोपुर से निकलकर करौल से बहती हुई भरतपुर से आगरा जिले में यमुना में गिर जाती है।
7. **लूनी नदी** – यह नदी अजमेर के नाग पहाड़–पहाड़ियों से निकलकर नागौर की और बहती है। यह जोधपुर, बाड़मेर और जालौर में बहती हुई गुजरात में प्रवेश करती है। अंत में कच्छ की खाड़ी में गिर जाती है। बालोतरा तक इसका जल मीठा रहता है लेकिन आगे जाकर यह खारा होता जाता है। इस नदी पर बिलाडा के निकट का बॉध सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण है।

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **अरावली श्रृंखला के पश्चिमी ढाल से कई छोटी–छोटी जल धाराएँ नदी मे मिल जाती है।**

जितेन्द्र सूत्र (भूलना भूल जाओगे)

''लागु बांसु जबा जोसा''

सूत्र		**नदियॉ**
ला	–	लालरी
गु	–	गुहिया
बां	–	बांडी
सु	–	सुकरी
जबा	–	जबाई
जो	–	जोजरी
सा	–	सागाई

8. **मादी नदी –** यह दक्षिण राजस्थान मुख्यतः बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले की मुख्य नदी है। यह मध्य प्रदेश के धार जिले में विंध्याचल पर्वत के अममाऊ स्थान से निकलती है। उदगम् से उत्तर की और बहने के पश्चात खाछू गांव (बांसवाड़ा) के निकट दक्षिणी राजस्थान में प्रवेश करती है। बांसवाड़ा और डूंगरपुर मे बहती हुई यह नदी गुजरात में प्रवेश करती है। यह खम्भात की खाड़ी में गिर जाती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में सोम, जाखम, अनास, चाप और मोरन है। इस नदी पर बांसवाड़ा जिले में माही बजाज सागर बांध बनाया गया है।
9. **घग्घर नदी –** यह गंगानगर जिले की प्रमुख नदी है। यह नदी हिमालय पर्वत की शिवालिक श्रेणियों से शिमला के समीप कालका के पास से निकलती है।

यह अंबाला, पटियाला और हिसार जिलों मे बहती हुई राजस्थान के गंगानगर जिले में टिब्बी के समीप उत्तर–पूर्व दिशा में प्रवेश करती है। पूर्व में यह बीकानेर राज्य में बहती थी हनुमानगढ़ के पास भटनेर के मरूस्थलीय भाग में बहती हुई विलीन हो जाती है।

10. **काकनी नदी** – इस नदी को काकनेय तथा मसूरदी नाम से भी बुलाते है। यह कुछ किलोमीटर प्रवाहित होने के उपरांत लुप्त हो जाती है। वर्षा अधिक होने पर यह काफी दूर तक बहती है। इसका पानी अंत में भुज झील में गिर जाता है।
11. **सोम नदी** – उदयपुर जिले के बीछा मेड़ा स्थान से यह नदी निकलती है। प्रारम्भ में यह दक्षिण–पूर्व दिशा में बहती हुई डूंगरपुर की सीमा के साथ–साथ पूर्व में बहती हुई बेपेश्वर के निकट माही नदी से मिल जाती है।
12. **जोखम नदी** – यह नदी सादड़ी के निकट से निकलती है। प्रतापगढ़ जिले में बहती हुई उदयपुर के धारियाबाद तहसील में प्रवेश करती है और सोम नदी से मिल जाती है।
13. **साबरमती नदी** – यह गुजरात की मुख्य नदी है राजस्थान के उदयपुर जिले में बहती है। यह नदी पड़रारा, कुंभलगढ़ के निकट से निकलकर दक्षिण की और बहती है।
14. **काटनी नदी** – सीकर जिले के खंडेला पहाडियों से यह नदी निकलती है। यह मौसमी नदी है और तोरावाटी उच्च भूमि पर यह प्रवाहित होती है। यह उत्तर में सीकर व झुझुनू में लगभग 100 किलोमीटर

बहने के उपरांत चुरू जिले की सीमा के निकट अदृश्य हो जाती है।

15. **साबी नदी** – यह नदी जयपुर जिले के सेवर पहाड़ियों से निकलकर मानसू, बहरोड़ किशनगढ़, मंडावर व तिजारा तहसीलों में बहने के बाद गुड़गॉव (हरियाणा) जिले के कुछ दूर प्रवाहित होने के बाद पटौदी के उत्तर में भूमिगत हो जाती है।

16. **मन्था नदी** – यह जयपुर जिले में मनोहरपुर के निकट से निकलकर अंत में सांभर झील में जा मिलती है।

राजस्थान का अपवाह तन्त्र

❖ **घग्घर नदी जिन राज्यों में बहती हें उन राज्यों के नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**हरि हेमा** और **राज पंजाब** में''

सूत्र		**राज्य**
हरि	–	हरियाणा
हेमा	–	हिमाचल
राज	–	राजस्थान
पंजाब	–	पंजाब

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से मेन्था नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**जय नाग**''

सूत्र		**जिले**
जय	–	जयपुर
नाग	–	नागौर

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से रूपनगढ़ नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**जय अजय**''

सूत्र		**जिले**
जय	–	जयपुर
अजय	–	अजमेर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान में लूनी नदी की सहायक नदियों के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''5D संग सास / लिली जोडी मीठी सूडी बॉडी संग सगाई ''

सूत्र		**नदियॉ**
डी	–	लीलड़ी
डी	–	जोजड़ी
डी	–	मीठड़ी
डी	–	सूकड़ी
डी	–	बॉड़ी
सा	–	सांगी
स	–	सगाई

❖ **राजस्थान में चम्बल नदी की सहायक नदियों के नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''बना काकु बाम पर्व ''

सूत्र		**नदियॉ**
बना	–	बनास
का	–	काली
कु	–	कुराल
बाम	–	बामनी
मे	–	मेज
पर्व	–	पार्वती

''जितेन्द्र कुमार''

❖ राजस्थान के जिन जिलो से बाणगंगा नदी बहती हे उनके नाम है।

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बाण **भर दो**''

सूत्र		जिले
भर	–	भरतपुर
दो	–	दौसा

राजस्थान की ऐतिहासिक छतरियॉ

- अमरसिंह की छतरी – नागौर
- सिसोदिय राणाओं की छतरियॉ – आहड़, उदयपुर
- राव बीका जी रायसिंह की छतरियॉ – देव कुंड, बीकानेर
- हाड़ा राजाओं की छतरियॉ – सार बाग, कोटा
- रैदास की छतरी – चित्तौड़गढ़
- गोपालसिंह की छतरी – करौली 7.84 खंभों की छतरी – बूँदी
- राजा बख्तावर सिंह की छतरी – अलवर
- 32 खंभों की छतरी – रणथम्भौर
- केसर बाग व क्षार बाग की छतरियॉ –बूँदी (बूँदी राजवंश की)
- भाटी राजाओं की छतरियॉ – बड़ा बाग, जैसलमेर
- राठौड़ राजाओं की छतरियॉ –मंडोर जोधपुर
- मूसी महारानी की छतरी – अलवर
- महाराणा प्रताप की छतरी (8 खंभे) – बाडोली (उदयपुर)
- कच्छवाहा राजाओं की छतरियॉ – गेटोर (नाहरगढ़, जयपुर)
- राव जोधसिंह की छतरी – बदनौर
- जयमल (जैमल) व कल्ला राठौड़ की छतरियॉ – चित्तौड़गढ़

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से खारी नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''भील राज आजा टोंक''

सूत्र		**जिले**
भील	–	भीलवाड़ा
राज	–	राजसमन्द
आजा	–	अजमेर
टोंक	–	टोंक

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से बांडी नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जय अजय को **टोक''**

सूत्र		**जिले**
जय	–	जयपुर
अजय	–	अजय
टोक	–	टोंक

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से मोरेल नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जय सवा दो''

सूत्र		**जिले**
जय	–	जयपुर
सवा	–	सवाई माधोपुर
दो	–	दौसा

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से परवन नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बूँदी को झूला दे''

सूत्र		**जिले**
बूंदी	–	बूँदी
को	–	कोटा
झूला	–	झालावाड़

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से मेज नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बूँदी को भील''

सूत्र		**जिले**
बूंदी	–	बूँदी
को	–	कोटा
भील	–	भीलवाड़ा

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से माही नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''प्रताप बॉस डूंगर पर''

सूत्र		**जिले**
प्रताप	–	प्रतापगढ़
बॉस	–	बॉसवाड़ा
डूंगर पर	–	डूँगरपुर

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से सोम नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''उदय प्रताप डूंगर पर''

सूत्र		**जिले**
उदय	–	उदयपुर
प्रताप	–	प्रतापगढ़
डूंगर पर	–	डूँगरपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से बनास नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''भीटो राज आज सवाई चित्तोड़''

सूत्र		**जिले**
भी	–	भीलवाड़ा
टो	–	टोंक
राज	–	राजसमन्द
आज	–	अजमेर
सवाई	–	सवाई माधोपुर
चित्तोड़	–	चित्तोडगढ़

❖ **कालीसिन्ध नदी की मुख्य सहायक नदीयां उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''आपनी''

सूत्र		**नदियां**
आ	–	आहु
प	–	परवन
नी	–	नीवाज

''जितेन्द्र कुमार''

राजस्थान के रीति–रिवाज

- **आठवॉ पूजन** – स्त्री के गर्भवती होने के सात माह पूरे कर लेती है तब इष्ट देव का पूजन किया जाता है और प्रतिभोज का आयोजन किया जाता है।
- **पनघट पूजन या जलमा पूजन** – बच्चे के जन्म के कुछ दिनों पश्चात (सवा माह बाद) पनघट पूजन या कुऑ पूजन की रस्म की जाती है इसे जलमा पूजन भी कहते है।

- **आख्या** – बालक के जन्म के आठवें दिन बहने जच्चा को आख्या करती है और एक मांगलिक चिंह्न 'साथिया' भेंट करती है।
- **जडूला उतारना** – जब बालक दो या तीन वर्ष का हो जाता है तो उसके बाल उतराए जाते है। मुंडन संस्कार को ही जडूला कहते है।
- **सगाई** – वधू पक्ष की ओर से संबंध तय होने पर सामर्थ्य अनुसार शगुन के रूपयें तथा नारियल दिया जाता है।
- **बिनौरा** – सगे संबंधी व गॉव के अन्य लोग अपने घरों में वर या वधू तथा उसके परिवार को बुला कर भोजन कराते हैं जिसे बिनौरा कहते है।

- **तोरण** – यह जब बारात लेकर कन्या के घर पहुँचता है तो घोड़ी पर बैठे हुए ही घर के दरवाजे पर बंधे हुए तोरण को तलवार से छूता है जिसे तोरण मारना कहते है। तोरण एक प्रकार का मांगलिक चिंह्न है।
- **खेतपाल पूजन** – राजस्थान में विवाह का कार्यक्रम आठ दस दिनों पूर्व ही प्रांरभ हो जाते है। विवाह से पूर्व गणपति स्थापना से पूर्व के रविवार को खेतपाल बावजी (क्षेत्रपाल लोकदेवता) की पूजा की जाती है।
- **कांकन डोरडा** – विवाह से पूर्व गणपति स्थापना के समय तेल पूजन कर वर या वधू के दाएँ हाथ में मौली या लच्छा को बंट कर बनाया गया एक डोरा बांधते है जिसे कांकन डोरडा कहते है। विवाह के बाद वर के घर में वर–वधू एक दूसरें के कांकन डोरडा खोलते है।
- **बान बैठना व पीठी करना** – लग्नपत्र पहुँचने के बाद गणेश पूजन (कांकन डोरडा) पश्चात विवाह से पूर्व तक प्रतिदिन वर व वधू को अपने अपने घर में चोकी पर बैठा कर गेहूँ का आटा, बेसन में हल्दी व तेल मिला कर बने उबटन (पीठी) से बदन को मला जाता है, जिसको पीठी करना कहते है। इस समय सुहागन स्त्रियॉ मांगलिक गीत गाती है। इस रस्म को 'बान बैठना' कहते है।
- **बिन्दोली** – विवाह से पूर्व के दिनों में वर व वधू को सजा धजा कर घोड़ी पर बैठा कर गॉव में घुमाया जाता है जिसे बिन्दोली निकालना कहते है।
- **मोड बांधना** – विवाह के दिन सुहागिन स्त्रियॉ वर को नहला धुला कर सुसज्जित कर कुलदेवता के समक्ष चौकी पर बैठा कर उसकी पाग पर मोड़ (एक मुकुट) बांधती है।

- **बरी पड़ला** – विवाह के समय बारात के साथ वर के घर से वधू को साड़ियॉ व अन्य कपड़े, आभूषण, मेवा, मिष्ठान आदि की भेंट वधू के घर पर जाकर दी जाती है जिसे पड़ला कहते है। इस भेंट किए गए कपड़ों को 'पड़ले का वेश' कहते है। फेरों के समय इन्हे पहना जाता है।
- **मारत** – विवाह से एक दिन पूर्व घर में रतजगा होता है, देवी–देवताओं की पूजा होती है और मांगलिक गीत गाए जाते है। इस दिन परिजनों को भोजन भी करवाया जाता है। इसे मारत कहते है।
- **पहरावणी या रंगबरी** – विवाह के पश्चात दूसरें दिन बारात विदा की जाती है। विदाई में वर सहीत प्रत्येक बाराती को वधूपक्ष की ओर से पगड़ी बॅधाई जाती है तथा यथा शक्ति नगद राशि दी जाती है। इस पहरावणी कहा जाता है।
- **सामेला** – जब बारात दुल्हन के गांव पहुंचती है तो वर पक्ष की ओर से नाई या ब्राह्मण आगे जाकर कन्यापक्ष को बारात के आने की सूचना देता है। कन्या पक्ष की ओर उसे नारियल एवं दक्षिणा दी जाती है। फिर वधू का पिता अपने सगे संबंधियों के साथ बारात का स्वागत करता है, स्वागत की यह क्रिया सामेला कहलाती है।
- **बढार** – विवाह के अवसर पर दूसरे दिन दिया जाने वाला सामूहिक प्रीतिभोज बढार कहलाता है।
- **कुॅवर कलेवा** – सामेला के समय वधू पक्ष की ओर से वर व बारात के अल्पाहार के लिए सामग्री दी जाती है जिसे कुॅवर कलेवा कहते है।
- **बींद गोठ** – विवाह के दूसरे दिन संपूर्ण बारात के लोग वधू के घर से कुछ दूर कुऍ या तालाब पर जाकर स्थान इत्यादि

करने के पश्चात अल्पाहार करते है जिसमें वर पक्ष की ओर से दिए गए कुॅवर – कलेवे की सामग्री का प्रयोग करते है। इसे बींद गोठ कहते है।

- **मायरा** – राजस्थान में मायरा भरना विवाह के समय की एक रस्म है। इसमें बहन अपनी पुत्री या पुत्र का विवाह करती है तो उसका भाई अपनी बहन को मायरा ओढ़ाता है जिसमें वह

उसे कपड़े, आभूषण आदि बहुत सारी भेंट देता है एवं गले लगाकर प्रेम स्वरूप चुनड़ी ओढ़ाता है। साथ ही उसके बहनोई एवं उसके अन्य परिजनों को भी कपड़े भेंट करता है।

- **डावरिया प्रथा** – यह रिवाज अब समाप्त हो चुका है। इसमें राजा – महाराजा और जागीरदार अपनी पुत्री के विवाह में दहेज के साथ कुॅवारी कन्याएं भी देते थे जो उम्र भर उसकी सेवा में रहती थी। इन्हें डावरिया कहा जाता था।
- **नाता प्रथा** – कुछ जातियों में पत्नी अपने को छोड़ कर किसी अन्य पुरूष के साथ रह सकती है। इसे नाता करना कहते है। इसमें कोई औपचारिक रीति रिवाज नही करना पड़ता है। केवल आपसी सहमति ही होती है। विधवा औरतें भी नाता कर सकती है।
- **नांगल** – नवनिर्मित गृहप्रवेश की रस्म को नांगल कहते है।
- **मौसर** – किसी वृद्ध की मृत्यु होने पर परिजनों द्वारा उसकी आत्मा की शांति के लिए दिया जाने वाला मृत्युभोज मौसर कहलाता है।

"जितेन्द्र कुमार"

❖ **माही नदी की मुख्य सहायक नदीयां उनके नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''सोम जा अमोचा''

सूत्र		**नदियां**
सोम	–	सोम
जा	–	जा
अ	–	अ
मो	–	मो
चा	–	चा

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से चम्बल नदी बहती हे उनके नाम है।**
जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**
''बूंदी को धोलू चित्ता पर **करे सवारी''**

सूत्र		**जिले**
बूंदी	–	बूंदी
को	–	को
धोलू	–	धोलू
चित्ता	–	चित्तोड़गढ़
करे	–	करौली
सवारी	–	सवाई माधोपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के जिन जिलो से बेड़च नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बेड़च में **उदय भील चित्त**''

सूत्र		**जिले**
उदय	–	उदयपुर
भील	–	भीलवाडा
चित्त	–	चित्तोड़गढ़

❖ **राजस्थान के जिन जिलों से सागी नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''सागी के **सिर** पर **बड़ा जाला**''

सूत्र		**जिले**
सिर	–	सिरोही
बड़ा	–	बाड़मेर
जाला	–	जालौर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के जिन जिलों से सूकड़ी नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''सूकड़ी B.J.P. नदी''

सूत्र		**जिले**
B	–	बाड़मेर
J	–	जालौर
P	–	पाली

❖ **राजस्थान के जिन जिलों से मीठड़ी नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''मीठड़ी का **पाल बड़ा**''

सूत्र		**जिले**
पाल	–	पाली
बड़ा	–	बाड़मेर

❖ **राजस्थान के जिन जिलों से जोजड़ी नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जोजड़ी/झोपडी में **बड़ा नाग**''

सूत्र		**जिले**
बड़ा	–	बड़ा
नाग	–	नागौर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान की वह नदियां जो अरब सागर मे जाकर गिरती है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''लु पब मा सा सो जा''

सूत्र		**नदियां**
लु	–	लुनी
पब	–	पश्चिम बनास
मा	–	माही
सा	–	साबरमती
सो	–	सोजा
जा	–	जाखम

❖ **राजस्थान की वह नदियां जो आन्तरिक प्रवाह वाली है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''सघा काका''

सूत्र		**नदियां**
स	–	सरस्वती
घा	–	घग्घर
का	–	कॉतली
का	–	काकनी / काकनेय

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **खम्भात की खाड़ी में निम्न नदियां गिरती है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''मासा''

सूत्र		**नदियां**
मा	–	माही
सा	–	साबरमती

❖ **कच्छ की खाड़ी में निम्न नदियां गिरती है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''पलु/लुप/कच्छ में **लुण बना''**

सूत्र		**नदियां**
लु	–	लुनी
प	–	पश्चिम बनास

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के जिन जिलों से लुनी नदी बहती हे उनके नाम है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''अपना जोज बड़ा''

सूत्र		**जिले**
अ	–	अजमेर
प	–	पाली
ना	–	नागौर
जो	–	जोधपुर
ज	–	जालौर
बड़ा	–	बाड़मेर

❖ **रेतीली मिट्टी उपलब्धता वाले क्षेत्र है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जैसल बाबा जाजो रेतीली मिट्टी उपलब्धता वाले क्षेत्र''

सूत्र		**क्षेत्र**
जैसल	–	जैसलमेर
बा	–	बाड़मेर
बा	–	बीकानेर
जा	–	जालौर
जो	–	जोधपुर

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियां जो कि निम्न है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''बना बेच बाण काली, पाको खा बाप''

सूत्र		**नदियां**
बना	–	बनास
बे	–	बेड़च
च	–	चम्बल
बाण	–	बाणगंगा
काली	–	कालीसिन्ध
पा	–	पार्वती
को	–	कोठरी
खा	–	खारी
बा	–	बाण्डी
प	–	परवन

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के बेणेश्वर डूंगरपुर जिलें में त्रिवेणी संगम बनता है**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''**मा** बेणेश्वर से **सोम जा** ''

सूत्र		**नदियां**
मा	–	माही
सोम	–	सोम
जा	–	जा

❖ **राजस्थान के राजमहल टोंक जिलें में त्रिवेणी संगम बनता है**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''राजमहल में **बना खारी डाई**''

सूत्र		**नदियां**
बना	–	बनास
खारी	–	खारी
डाई	–	डाई

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **राजस्थान के मांडलगढ़ के समीप बीगोद भीलवाडा जिलें में त्रिवेणी संगम बनता है**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''चल बना सीप''

सूत्र		**नदियां**
चल	–	चम्बल
बना	–	बनास
सीप	–	सीप

❖ **धात्विक खनिज जो कि निम्न है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''ऐ लो मेंगसी सोचता कोमा टंगा जस्ता में''

सूत्र		**खनिज**
ऐ	–	एल्युमिनियम
लो	–	लौहा
मेंग	–	मैंननिज
सी	–	सीसा
सो	–	सोना
च	–	चॉदी
ता	–	तॉबा
कोमा	–	क्रोमायम
टंगा	–	टंगस्टन
जस्ता	–	जस्ता

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **अधात्विक खनिज जो कि निम्न है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''जिरा हीपमु गास फिरो अब फाईट कर''

सूत्र		**खनिज**
जि	–	जिप्सम
रा	–	राकफास्फेट
ही	–	हीरा
प	–	पन्ना
मु	–	मुलतानी मिट्टी
गा	–	गारनेट
स	–	संगमरमर
फिरो	–	फिरोज
अब	–	अभ्रक
फाईट	–	फाईट

''जितेन्द्र कुमार''

❖ **लाल मिट्टी के क्षेत्र जो कि निम्न है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

''उदय बॉस का **लाल चित्ता डूंगर पर''**

सूत्र		**क्षेत्र**
उदय	–	उदयपुर
बॉस	–	बॉसवाड़ा
लाल	–	लाल मिट्टी
चित्ता	–	चित्तोड़गढ़
डूंगर	–	डूंगरपुर
पर	–	प्रतापगढ़

❖ **लोकदेवता व उनकी पत्नियॉ है।**

जितेन्द्र सूत्र **(भूलना भूल जाओगे)**

सूत्र	लोकदेवता	पत्नियॉ
राम की नेतल	रामदेवजी	नेतलदे
देव की पीपल	देवनारायणजी	पीपलदे
तेजा की पैमल	तेजाजी	पैमलदे
पाबू की फूलम	पाबूजी	फूलमदे

''जितेन्द्र कुमार''

राजस्थान के युवां पाठको

प्रस्तुत पुस्तक में पूर्णतः सावधानी बरती गई है। फिर भी किसी त्रुटी का होना स्वभाविक है।

मेरा उद्धेश्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों का सहयोग करना है। आप सभी लोगो का स्नेह प्राप्त करना तथा अपने अर्जित अनुभवों तथा ज्ञान को वितरित करके आप लोगो की सेवा करना ही मेरी उत्कृष्ट अभिलाषा है।

"जितेन्द्र कुमार"

"जितेन्द्र कुमार"
मो. न. +918769712538

I WANT u to

Fly with me

Jitendra GK Tricks